## बताओ तो

हँसते-खेलते हुए, सीखने वाले कुछ बच्चों के चित्र ऊपर दिए गए हैं ।

- इनमें से कौन-सा चित्र तुम्हें सबसे अधिक पसंद है ?
- वही चित्र सबसे अधिक क्यों पसंद आया ?

हम पाठशाला में सीखने-पढ़ने के लिए आते हैं । सीखते-सीखते हमें बहुत अधिक मित्र-सहेलियाँ मिलती हैं । हम परस्पर सहायता करते हुए पढ़ाई करते हैं । पढ़ाई के साथ-साथ हम खेल भी खेलते हैं । साथ में भोजन या अल्पाहार भी लेते हैं । पाठशाला के स्नेह सम्मेलन वाले कार्यक्रम में सहभागी होते हैं । साथ-साथ सैर के लिए जाते हैं । वर्ग को स्वच्छ रखना और उसे सजाना हमें अच्छा लगता है । ऐसी बहुत-सी बातें हम एक साथ करते रहते हैं । आपस में मिलकर कोई भी काम करने में सच्चा आनंद मिलता है । अपने वर्ग के प्रत्येक लड़की तथा लड़के को विद्यालय में सीखने का आनंद मिलता रहे, इसके लिए हमें और कौन-से अच्छे काम करने चाहिए ?

## क्या तुम जानते हो

### देखो; मेरे लिए पत्र आया !

यह कहानी रत्नागिरि जिले के कोलवली गाँव की है ।

बच्चों को डाकघर का काम समझाने के लिए शिक्षक उन्हें डाकघर ले गए । वहाँ उन्होंने डाकघर के सभी प्रकार के कामों से बच्चों को परिचित कराया । इस काम का सबको वास्तविक अनुभव करवाने के लिए शिक्षक ने एक मनोरंजक कार्य किया । सभी बच्चों के नाम से उन्होंने एक-एक पत्र भेजा । इन पत्रों में उन विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, खेल में प्रगति, उनका स्वभाव, पसंद-नापसंद से संबंधित जानकारी दे दी । अपने नामवाला पत्र देखकर बच्चों को बहुत आनंद हुआ । 'ओ माँ, मेरे लिए पत्र आया !' ऐसा कहते हुए वे सब लोगों को पत्र दिखाने लगे। उनमें से कुछ बच्चों ने पत्रों के उत्तर भी अपने शिक्षक को दिए । दीपावली के अवसर पर सभी विद्यार्थियों ने एकत्र होकर शिक्षक को 'शुभकामना' का पत्र भी भेजा । कुछ दिनों के बाद शिक्षक ने बच्चों को यह सिखाया कि ई-मेल द्वारा पत्र कैसे भेजा जाता है । शिक्षक द्वारा भेजे गए एक पत्र के कारण बच्चों में नवीन उत्साह का संचार हुआ । बच्चों की यह पाठशाला 'आनंददायी' पाठशाला बन गई ।

## करके देखो

- वर्ग के लड़के-लड़कियों की तीन पैरवाली स्पर्धा करवाएँ ।
- कुछ जोड़ियाँ बिना गिरे, बिना रुके अंत तक क्यों दौड़ सकीं ?
- दौड़ते समय कुछ जोड़ियाँ क्यों गिर गईं ?

एक-दूसरे की सहायता द्वारा कोई भी काम सफलतापूर्वक किया जा सकता है । काम करते समय आनंद भी मिलता है । एक-दूसरे की सहायता करने के लिए एक-दूसरे की आवश्यकताओं और अड़चनों को समझना पड़ता है ।

क्या हम अपनी पाठशाला के लड़के-लड़कियों की आवश्यकताओं तथा परेशानियों को जानते हैं ? अपने वर्ग में नवीन प्रवेश लेने वाला कोई लड़का या लड़की होगी । संभव है; उनमें कोई बच्चा माता-पिता से दूर रहकर पढ़ाई कर रहा हो । कोई अपने घर में अपने से अलग भाषा भी बोलता होगा । किसी की सहायता करने वाली दीदी या बड़ा भाई होगा तो किसी के नहीं होंगे । ऐसे और अन्य कुछ विविधताओं के कारण प्रत्येक की आवश्यकताएँ अलग-अलग होती हैं । इन आवश्यकताओं को समझने का प्रयास करना चाहिए ।

पाठशाला में हमारी अलग-अलग लड़कों-लड़कियों से भेंट होती है । हममें से कुछ ऐसे भी हो सकते हैं; जिन्हें दिखाई या सुनाई नहीं पड़ता । कोई सहपाठी या सहेली चलने में असमर्थ हो सकती है। अपने ऐसे मित्र-सहेलियों की आवश्यकताएँ अपने से बिलकुल अलग और विशेष प्रकार की होती हैं । उनके साथ रहकर ही हम उन आवश्यकताओं को समझ सकते हैं ।

### बताओ तो

- क्या तुम्हारे आस-पास दृष्टिहीन अथवा बहरे बच्चे रहते हैं ?
- क्या वे बच्चे पाठशाला में आते हैं ?
- जब तुम पहली कक्षा में थे, तब तुम्हारे वर्ग में कितनी लड़कियाँ थीं ?
- इस समय तुम्हारे वर्ग में कुल कितने बच्चे हैं ?

पाठशाला में आकर प्रत्येक बच्चे को सीखने का आनंद प्राप्त होना चाहिए । जिन बच्चों को विशेष प्रकार की आवश्यकता पड़ती हो, ऐसे सभी बच्चों को सीखने का अधिकार है । विशेष आवश्यकतावाले बच्चों के अभिभावक अपने बच्चों को हठपूर्वक पाठशाला भेजते हैं । सरकार भी ऐसे बच्चों के लिए विभिन्न योजनाएँ चलाती है । यदि तुम्हारी जानकारी में ऐसे विशेष बच्चे हों तो उनके संबंध में उनके अभिभावकों और शिक्षकों को अवश्य बताएँ । वे भी ऐसे बच्चों को विद्यालय जाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे ।

लड़कियों की शिक्षा के लिए सरकार द्वारा बहुत-सी सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं । बहुत-से अभिभावक भी अपनी लड़कियों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देते हैं परंतु कभी-कभी भाई की देखरेख करना, कुएँ से पानी लाना अथवा घर के काम करना जैसे कार्य लड़कियों को सौंपे जाते हैं । इससे उनकी शिक्षा अवरुद्ध हो जाती है अथवा कभी-कभी बंद हो जाती है । इस प्रकार के अथवा अन्य किसी भी कारण से लड़कियों की शिक्षा बंद नहीं होनी चाहिए । लड़कियों को भी शिक्षा का आनंद प्राप्त होना चाहिए।

## करके देखो

- तुम्हारी कक्षा या वर्ग के बच्चे अपने घर पर माता-पिता के साथ किस भाषा में बोलते हैं, इसकी जानकारी प्राप्त करो ।

पाठशाला में शिक्षा ग्रहण करने की हमारी भाषा एक होने पर भी घर पर हम अपनी मातृभाषा में बातचीत करते हैं । कुछ लोगों की मातृभाषा गुजराती होगी । कुछ लोगों की मातृभाषा तेलुगु होगी। कुछ लोग घर पर हिंदी भाषा में बोलते होंगे तो कुछ लोग कन्नड़ भाषा में बोलते हैं । हमें अपनी पाठशाला में विभिन्न मातृभाषावाले मित्र मिलते हैं ।

पाठशाला में हम सब लोग गणवेश पहनकर जाते हैं परंतु जिस दिन गणवेश न पहनने की हमें छूट होती है; उस दिन हम अपनी पसंद के कपड़े पहनकर जाते हैं । पूरा वर्ग उस दिन रंग-बिरंगा लगता है । वर्ग में ऐसी विविधता देखकर हमें आनंद आता है । हमारे रीति-रिवाज, भाषा, भोजन की आदतें भिन्न-भिन्न होने पर भी मनुष्य के रूप में हम सब एक ही हैं । एक-दूसरे की विविधता का भी हम सम्मान करते हैं और एक-दूसरे की सहायता करते हैं । इसमें भी एक अलग प्रकार का आनंद प्राप्त होता है । पूरी पाठशाला आनंदमय हो जाती है ।

## अब क्या करना चाहिए

पिंटू और पिंकी दोनों को शिशुवर्ग में प्रवेश प्राप्त हुआ है । उन्हें पाठशाला ले जाने के लिए पाठशाला की बस आती है परंतु उन्हें पाठशाला नहीं जाना है । इसलिए वे दोनों रो रहे हैं । पाठशाला क्यों जाना चाहिए; इसे तुम उन दोनों को कैसे समझाकर बताओगे ?

## हमने क्या सीखा

- पाठशाला में हमें विभिन्न प्रकार के सहपाठी तथा सहेलियाँ मिलती हैं ।
- पाठशाला द्‌वारा हमें अपने देश की विविधताओं से परिचय प्राप्त होता है ।
- पाठशाला में सीखने-पढ़ने का आनंद प्रत्येक लड़के-लड़की को मिलना चाहिए ।
- प्रत्येक लड़के-लड़की और विशेष व्यक्ति, सभी को शिक्षा ग्रहण करने का अधिकार है ।
- एक-दूसरे की सहायता करते और दूसरों की सहायता लेते हुए सीखने पर सीखने का आनंद और बढ़ जाता है ।

## स्वाध्याय

### (अ) दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखो :

(१) विद्‌यालय में सीखने-पढ़ने के साथ-साथ हम और कौन-सी बातें सीखते हैं ?

(२) सीखने-पढ़ने का आनंद किसके द्‌वारा बढ़ता है ?

### (आ) रिक्त स्थानों की पूर्ति करो :

(१) एक-दूसरे की ..... करने पर कोई भी काम सफलतापूर्वक किया जा सकता है ।

(२) पाठशाला में सीखने का आनंद प्रत्येक ..... को मिलना चाहिए ।

### उपक्रम

- पाठशाला के स्नेह सम्मेलन में विभिन्न वेशभूषा बनाकर सहभागी बनो ।
- 'मुझे पानी दो ।' यह वाक्य विभिन्न मातृभाषावाले विद्‌यार्थियों की सहायता से उस-उस भाषा में कॉपी में लिखो।
- तुम्हारे वर्ग में किसी दूसरे स्थान से एक बच्चे ने नवीन प्रवेश लिया है । उसकी पहलेवाली पाठशाला के बारे में जानकारी प्राप्त करो ।

* * *

I3C63X